Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री सत्यनारायण पूजा सामग्री ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ मुख्य पूजा सामग्री ॥

श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा घर पर सादगी से की जा सकती है। सामग्री अपनी परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार चुनें। पूजा से पहले उसे अलग-अलग साफ पात्रों में व्यवस्थित रखें।

स्थान और स्थापना

स्वच्छ चौकी, साफ कपड़ा, श्री सत्यनारायण या भगवान विष्णु का चित्र या प्रतिमा, आसन, कलश, स्वच्छ जल, नारियल और आम के पत्ते रखें यदि घर की रीति हो। कलश न हो तो साफ जलपात्र से सरल पूजा करें।

अर्पण और आरती

चंदन, अक्षत, फूल या माला, तुलसीदल, धूप, दीपक, बाती, घी या तेल, कपूर और आरती की थाली रखें। ताज़ी तुलसी उपलब्ध न हो तो केवल पुष्प और प्रार्थना करें।

कथा और प्रसाद

पाँच अध्यायों वाली कथा, केले या मौसमी फल, पान या सुपारी यदि प्रचलित हों, पीने का जल, और घर का बना सात्त्विक नैवेद्य रखें। परिवार के साथ बैठने और प्रसाद बाँटने की व्यवस्था करें।

॥ पंचामृत और नैवेद्य की तैयारी ॥

पंचामृत

घर की रीति में पंचामृत बनता हो तो दूध, दही, घी, शहद और शक्कर थोड़ी मात्रा में लें। साफ बर्तन और पीने योग्य सामग्री उपयोग करें। दूध या अन्य चीज से एलर्जी हो तो सेवन न करें और उपयुक्त विकल्प रखें।

विशेष प्रसाद

कुछ परिवार गेहूँ के आटे या सूजी से घी, शक्कर, दूध और केले का प्रसाद बनाते हैं। कहीं इसे “सवा” मात्रा की रीति से बनाया जाता है। निश्चित मात्रा सभी पर अनिवार्य नहीं; जरूरत के अनुसार प्रसाद बनाकर बर्बादी से बचें।

आवश्यक और वैकल्पिक

जल, दीप, फूल या तुलसी, फल और प्रार्थना से सरल पूजन संभव है। वस्त्र, पंचपल्लव, केले के स्तंभ, यज्ञोपवीत और अन्य विस्तृत सामग्री परिवार या पुरोहित की परंपरा के अनुसार जोड़ी जाती है।

दीपक सुरक्षित रखें। प्रसाद के लिए साफ चम्मच और बर्तन लें; बचा भोजन स्वच्छता के साथ रखें और साझा करें।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥